News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-252

पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

अपनी नजर सिर्फ उसी चीज़ पर रखो जिसे तुम पाना चाहते हो, उस पर नहीं जिसे तुम खो चुके हो!

बिहार सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार, मंगलवार, 17 दिसम्बर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

12 साल, 10 पेपर लीक, 545 गिरफ्तार...

बिहार में माफियाओं की बहार, EOU है लाचार

पटना. बिहार केवल IAS-IPS वाला राज्य ही नहीं है, बल्कि पेपर लीक के सरगनाओं का समंदर भी है. एग्जाम हॉल में पेपर बंटने से पहले जुगाड़ वाले अभ्यर्थियों तक पेपर पहुंच जाता है, जिसके चलते लाखों अभ्यर्थियों को खामियाजा भुगतना पड़ता है. हाल ही में बीपीएससी की 70वीं परीक्षा हुई, जहां पटना के एक सेंटर पर हंगामे के चलते पेपर को रद्द कर दिया गया. हालांकि फिर से पेपर कब होगा, इसकी तारीख तय नहीं हुई है. लेकिन पेपर लीक का ये मामला पहला नहीं है. बीते 4 वर्षों में देखें तो शायद ही कोई ऐसा पेपर होगा, जिसमें कोई गड़बड़ी ना हुई है. बीते सोमवार को आर्थिक अपराध इकाई के डीआईजी मानवजीत सिंह ढिल्लो ने बताया कि साल 2012 से अबतक के 10 पेपर लीक मामलों की जांच की जा रही है. 545 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जांच जारी है. अगर यूपीएससी और आईआईटी की परीक्षा छोड़ दें तो राज्य में होने वाली अन्य परीक्षाएं जैसे कि बीपीएससी, शिक्षक बहाली या सिपाही बहाली सहित अन्य परीक्षाओं के क्वेश्चन पेपर समय से पहले ही आ जाते हैं और इसके बदले कुछ अभ्यर्थी मोटी रकम देते हैं. बीपीएससी से पहले नीट यूजी का पेपर लीक मामला खूब गरमाया था. मामले की जांच-पड़ताल शुरू की गई तो तार बिहार से जुड़ गया. इस मामले में कई लोग गिरफ्तार हुए. जांच-पड़ताल के दौरान पता चला कि बिहार में पेपर लीक माफिया किस तरह से काम कर रहे हैं. परीक्षा माफियाओं का कनेक्शन झारखंड, यूपी, गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और राजस्थान सहित कई राज्यों में फैला हुआ है. इन माफियाओं को प्रिंटिंग प्रेस में क्वेश्चन पेपर तक के छपने, उसे रखने और उसके ट्रांसपोर्टेशन तक की पूरी जानकारी होती है. बिहार में परीक्षा माफिया का बड़ा नेटवर्क काम कर रहा है. इनका कारोबार कई सौ करोड़ रुपये तक का है. 2017 में सिपाही भर्ती परीक्षा का पेपर लीक हो हया. इसके बाद परीक्षा रद्द करनी पड़ी. इस पूरे मामले में दो स्कॉलर सहित 21 पर एफआईआर दर्ज हुई थी. 2019 और 2021 में बिहार पुलिस भर्ती परीक्षा का प्रश्न पत्र लीक हुआ था. इस मामले में ईओयू ने मास्टरमाइंड कृषि विभाग के सहायक भागलपुर निवासी राजेश कुमार को गिरफ्तार किया था. 2021-22 में बिहार उत्पाद विभाग का पेपर लीक हुआ था. इस मामले की जांच ईओयू कर रही है. 2022 में बीपीएससी 67वीं पीटी का पेपर लीक हुआ था. इस केस की भी जांच ईओयू कर रही है. इस मामले में 21 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई है. 2023 में केंद्रीय चयन पर्षद परीक्षा का पेपर लीक हुआ था. इस मामले में 17 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल है.

2023 में अमीन भर्ती परीक्षा का प्रश्न पत्र लीक हुआ था. इसके बाद परीक्षा रद्द कर दी गई. इस मामले की भी जांच जारी है.

2024 में नीट का पेपर लीक हुआ. पेपर रद्द करने की मांग की गई. लेकिन रद्द नहीं हुआ. इस मामले में 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया. फिर जब सीबीआई ने जांच शुरू की तो 67 लोगों को गिरफ्तार किया गया है.

2024 में बीपीएससी शिक्षक भर्ती का पेपर लीक हुआ था. अब तक इस मामले में 285 अभियुक्तों की गिरफ्तारी हो चुकी है. 25 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दायर की गई थी.

2024 में ही बिहार राज्य स्वास्थ्य सोसायटी, सीएचओ स्वास्थ्य विभाग सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी की ऑनलाइन परीक्षा का भी पेपर लीक हुआ. कुल 36 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है.

मानवजीत सिंह ढिल्लो ने जानकारी देते हुए बताया कि 2012 से लेकर अबतक 10 पेपर लीक मामलों की जांच की गई है. इसमें 545 आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है, जिनमें 249 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई है.

बिहार के प्रोफेसर ने बांट दी विदेशियों को P.HD की फर्जी डिग्री

मामला उजागर हुआ तो दर्ज हुई FIR

गया. मगध विश्वविद्यालय की पीएचडी की फर्जी डिग्री म्यांमार में बांटने का मामला सामने आया है. इसी साल 29 सितंबर को छात्र-छात्राओं को डिग्री दी गई है, वहीं इसका आरोप मगध विश्वविद्यालय के दो प्रोफेसर पर लगा है. इनके खिलाफ मगध विश्वविद्यालय प्रशासन ने मगध यूनिवर्सिटी थाना में मामला दर्ज कराया है. इस मामले में अब आगे की कार्रवाई की जा रही है. बता दें कि म्यांमार में बांटे गए मानद डिग्री में कुलपति के फर्जी हस्ताक्षर किए गए हैं.

कुलपति के निर्देश पर प्रॉक्टर प्रोफेसर डॉ उपेंद्र कुमार की ओर से 11 दिसंबर को मगध यूनिवर्सिटी थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है. इसमें मगध विश्वविद्यालय के बौद्ध अध्ययन विभाग के प्रोफेसर विष्णु शंकर और कैलाश प्रसाद को आरोपी बनाया गया है. फिलहाल दोनों फरार बताए जा रहे हैं. दोनों पर आरोप है कि उन्होंने मगध विश्वविद्यालय के नाम पर अवैध तरीके से मानद डिग्री बांटे हैं जो अपराध है और यह पूरी तरह फर्जीवाड़ा है. बता दें कि आरोपी विष्णु शंकर बोधगया के रहने वाले हैं और वह पार्ट टाइम लेक्चरर हैं.

दरअसल, इस बात का खुलासा तब हुआ जब फेसबुक पर एक फोटो पोस्ट की गई जो म्यांमार की बताई जा रही है. फोटो में 11 स्टूडेंट और दो प्रोफेसर दिख रहे हैं, दोनों प्रोफेसर की पहचान बौद्ध अध्ययन विभाग के प्रोफेसर विष्णु शंकर और कैलाश प्रसाद के रूप में हुई है. ये दोनों 11 विदेशी नागरिकों के साथ खड़े हैं जिन्हें बौद्ध अध्ययन विभाग की डिग्री दी गई है. बताया जाता है कि दोनों आरोपियों के द्वारा पैसे लेकर फर्जी तरीके से मानद उपाधि से सम्मानित किया गया है.

मगध विश्वविद्यालय के प्रॉक्टर उपेंद्र कुमार ने बताया कि सोशल मीडिया के कारण इस बात का खुलासा हुआ है. दोनों आरोपी पर मगध विश्वविद्यालय थाना में मामला दर्ज कराया गया है और फिलहाल दोनों फरार बताया जा रहे हैं. आगे की कार्रवाई की जा रही है. उन्होंने कहा कि जो भी डिग्री दी जाती है उस छात्रों को मगध विश्वविद्यालय आना पड़ता है ना कि मगध विश्वविद्यालय छात्रों के पास जाता है. डिग्री में कई तरह की गलती पाई गई है जो मगध विश्वविद्यालय के नहीं है. वहीं, कुलपति का फर्जी हस्ताक्षर भी हैं.

श्रीलंका के राष्ट्रपति दिसानायके पहुंचे बोधगया

महाबोधि मंदिर में पूजा-अर्चना की; सुरक्षा चाक-चौबंद

पटना. तीन-दिवसीय भारत दौरे पर आएंगे श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके मंगलवार को परिभ्रमण के लिए बोधगया पहुंचे। जहां महाबोधि सोसायटी के सदस्यों ने उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान गया के डीएम और एसएसपी समेत कई आलाधिकारी कैंप कर रहे है। स्वागत के बाद राष्ट्रपति महाबोधि मंदिर पहुंचे और भगवान बुद्ध की दर्शन कर विशेष पूजा अर्चना किया। इस दौरान सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था की गई है।

चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात

हालांकि श्रीलंका के राष्ट्रपति दिसानायके के आगमन को लेकर जिला पुलिस अलर्ट पर है। एयरपोर्ट से लेकर महाबोधि मंदिर तक चप्पे-चप्पे पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। उनके आगमन से पहले ही एयरपोर्ट से लेकर बोधगया सड़क मार्ग को आम लोगों के लिए बंद कर दिया गया है।

आम लोगों को मंदिर प्रवेश पर रोक

वहीं इस संबंध में गया के डीएम डॉ त्याग राजन एसएम ने बताया कि मंगलवार की सुबह श्रीलंका के राष्ट्रपति दिसानायके के आगमन को लेकर साढ़े दस बजे तक आम श्रद्धालुओं को महाबोधि मंदिर प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। श्रीलंका के राष्ट्रपति के जाने के बाद आम श्रद्धालु मंदिर में प्रवेश कर सकेंगे। मालूम हो कि दिसंबर माह में विभिन्न देशों के बौद्ध श्रद्धालु बोधगया पहुंचते हैं और भगवान बुद्ध की पूजा-अर्चना करते हैं।

तीन दिनों की अधिकारिक यात्रा पर हैं

श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके भारत की तीन दिनों की अधिकारिक यात्रा पर हैं। सितंबर माह में पदभार संभालने के बाद उनकी पहली विदेश यात्रा है। बोधगया आने से पहले दिल्ली में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू, पीएम नरेंद्र मोदी समेत कई दिग्गज नेताओं से मुलाकात कर चुके हैं।

अब होगा मौसम में बदलाव

रात का तापमान 5 ℃ के पास जानें अपने जिले का हाल

पटना. पिछले एक हफ्ते से बिहार के लोग कड़ाके की ठंड को झेल रहे हैं. जब से पहाड़ों पर बर्फबारी हुई है, मैदानी इलाकों में लोगों का जीना मुहाल हो गया है. रात का तापमान 4.3एष्ट तक पहुंच गया है. शाम होते ही लोग अपने घरों में दुबकने को मजबूर हो जा रहे हैं. लेकिन अब एक बार फिर से मौसम में बड़ा बदलाव होने की संभावना है. बिहार के लोगों को इस सर्द रात से थोड़ी राहत मिलने की गुंजाइश नजर आ रही है. हालांकि ठंड का प्रकोप तो भी रहेगा लेकिन तुलनात्मक रूप में सर्दी कुछ कम महसूस हो सकती है. पटना स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक कुमार गौरव के अनुसार पिछले कई दिनों से पहाड़ों पर कोई हलचल नहीं हुई है. कोई पश्चिमी विक्षोभ भी एक्टिव नहीं है. इस वजह अगले कुछ दिनों के दौरान रात के तापमान में थोड़ी बढ़ोतरी होने की संभावना है. यह संभव हो पाएगा हवा की रुख बदलने की वजह से. वैज्ञानिक कुमार गौरव के अनुसार उत्तर पश्चिम भारत में समुंद्र तल से 12.6 किमी उपर एक जेट स्ट्रीम तेज हवा की धारा 130 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही है. साथ ही राज्य में हवा की दिशा बदली हुई नजर आ रही है. अब धीरे-धीरे पछुआ की जगह पुरवैया चलने का पूर्वानुमान है. इस वजह से तुलनात्मक रूप में ठंडक कुछ कम महसूस हो सकती है. आइएमडी के अनुसार अभी कड़ाके की ठंड का कोई खास पूर्वानुमान नहीं आया है. हालांकि, सुबह के समय राज्य के कई भागों में हल्के से मध्यम दर्जे का कोहरा छाए रहने की संभावना है. बिहार मौसम सेवा केंद्र के आंकड़े बताते हैं कि आज और कल सुबह तक अरवल, गया, औरंगाबाद, रोहतास और भोजपुर जिलों के भागों में पवन ठिठुरन की स्थिति रहने का पूर्वानुमान है. इसके साथ ही, राज्य में न्यूनतम तापमान 08-12एष्ट के बीच रहने की संभावना है. अगले दो दिनों में तापमान में 2-3एष्ट की क्रमिक वृद्धि का पूर्वानुमान है. कुहासे की बात करें तो पश्चिमी चंपारण, सारण, सीवान, बक्सर, पटना, मुजफ्फरपुर, वैशाली, दरभंगा, खगड़िया, बेगुसराय, समस्तीपुर, मधेपुरा, जमुई, भागलपुर और किशनगंज जिलों के के भागों में देर रात और सुबह के समय मध्यम से घना कोहरा छाया हुआ है.

दरभंगा में हाईवे पर हादसा, एक जवान की मौत

दो पुलिसकर्मी घायल, पानी भरे गड्ढे में डूबी गाड़ी

पटना. दरभंगा-मुजफ्फरपुर NH 27 फोर लेन पर सिमरी थाना क्षेत्र में गश्ती कर जलवारा से लौट रही डायल 112 का पुलिस वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई। वहीं दो पुलिस वाले गंभीर रूप से ज़ख्मी हो गए, इन्हें इलाज के लिए डीएमसीएच भर्ती कराया गया है। इनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही एसएसपी जगुनाथ रेड्डी ने डीएमसीएच जाकर घायलों के इलाज की समुचित व्यवस्था की है। मृत जवान की पहचान शेखर पासवान के रूप में हुई। वह बहादुरपुर थाना क्षेत्र का रहनेवाला था। वहीं घायल महिला पुलिस की जवान अर्चना कुमारी पूर्णिया जिला की रहनेवाली है वहीं घायल वाहन चालक जीके झा केवटी थाना क्षेत्र के रहने वाले है। बताया जाता है डायल 112 की गाड़ी सिमरी थाना क्षेत्र के जलवारा गांव से गश्ती करके लौट रही थी। अचानक अनियंत्रित हो गई। जब तक ड्राइवर संभालता तबतक गाड़ी पानी भरे गड्ढे में डूब गई। इसमें एक पुलिस के जवान शेखर पासवान की मौत हो गई जबकि एक महिला पुलिस की जवान अर्चना कुमारी और चालक जीके झा गम्भीर रूप से जख्मी हो गए। इनका इलाज डीएमसीएच में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलते ही एसएसपी जगुनाथ रेड्डी, सिटी एसपी अशोक कुमार एवं डीएसपी अमित कुमार ने घायल जवानों को रात्रि में ही अस्पताल जाकर घायलों से मिलकर उनका हाल जाना और उनके इलाज की समुचित व्यवस्था की है। इस सम्बंध में एसएसपी जगुनाथ रेड्डी ने बताया कि रात्रि गश्ती के दौरान डायल 112 के पुलिस वाहन दुर्घटना ग्रस्त हो गया है जिसमे एक जवान शेकर पासवान की मौत हो गई है वहीं चालक सहित दो जवान जख्मी हुए है जिनका इलाज डीएमसीएच में कराया जा रहा है।

DM की जांच रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

BPSC की परीक्षा में कोई पेपर फाड़ रहा था तो कोई लूट रहा था...

पटना. बीपीएससी परीक्षा में हुए बवाल को लेकर राजधानी पटना के जिलाधिकारी चंद्रशेखर सिंह ने बीपीएससी को जांच रिपोर्ट सौंप दी है. साथ ही उन्होंने हंगामे की भी सीसीटीवी फुटेज भेजी है. बीते शुक्रवार को पटना के बापू परीक्षा भवन में बीपीएससी की परीक्षा के दौरान अभ्यर्थियों ने जमकर हंगामा किया. हालात को काबू करने के लिए भारी पुलिस बल बुलानी पड़ी और यही नहीं इसी हंगामे के दौरान आवेश में आकर पटना डीएम चंद्रशेखर सिंह ने एक अभ्यर्थी को थप्पड़ भी जड़ दिया.

डीएम ने सौंपी हंगामे की जांच रिपोर्ट

डीएम ने जो जांच रिपोर्ट सौंपी है. वह जांच वरीय दंडाधिकारी, वरीय उप समाहर्ता और केंद्राधीक्षक ने की है. रिपोर्ट में बताया है कि सभी पदाधिकारी, कर्मी और सुरक्षा कर्मी केंद्र पर समय से मौजूद थे. परीक्षा केंद्र पर ससमय 10.55 बजे प्रश्न पत्र उपलब्ध करा दिया गया था. विधिवत प्रश्न पत्र का सील्ड बॉक्स खुलने के पश्चात सभी कमरे में सील्ड प्रश्न पत्र उपलब्ध कराया जाने लगा. प्रश्न पत्र में 10 से 15 मिनट विलंब होने पर कुछ परीक्षार्थी हंगामा करने लगे.

पेपर छीनकर अभ्यर्थी फाड़ने लगे

रिपोर्ट में बताया है कि जब पेपर देरी से बांटा गया तो केंद्राधीक्षक ने यह भी कहा कि जिनको पेपर लेट मिला है, उनको अतिरिक्त समय दिया जाएगा. लेकिन फिर भी कुछ अभ्यर्थी हंगामा करने लगे थे. हंगामा सुनकर अन्य कमरे से भी परीक्षार्थी मौके पर पहुंच गए और हंगामा करने लगे. इस दौरान बुकलेट के साथ उपस्थिति पत्रक छीनकर फाड़ने लगे और अफवाह फैलाने लगे की सभी की परीक्षा रद्द हो गई है.

पेपर तक लूट ले गए अभ्यर्थी!

डीएम ने जो जांच रिपोर्ट सौंपी है, उसमें बताया है कि हंगामा कर रहे परीक्षार्थियों में से एक परीक्षार्थी ने ट्रंक से प्रश्न पत्र का पैकेट लूट लिया और लहराते हुए गेट तोड़कर बाहर निकल गया. समय पर वरीय अधिकारी पहुंचकर मामले को नियंत्रित किया और अंदर बैठे परीक्षार्थियों को शांति से परीक्षा दिलवाया. अगर अधिकारी मुस्तैद नहीं होते तो भारी तोड़फोड़ और आगजनी की घटना होती. बता दें कि BPSC परीक्षा में हंगामा मामले पर आज महत्वपूर्ण बैठक भी होने वाली है. आयोग कार्यालय में चेयरमैन के नेतृत्व में बैठक होगी. डीएम पटना की जांच रिपोर्ट प्राप्त होते ही आयोग एक्शन में आ गया है. आज की बैठक के बाद आयोग बड़ा फैसला लेगा. साथ ही उपद्रव में शामिल अभ्यर्थियों की पहचान हो गई है. तकनीकी टीम ने हंगामा, अफवाह फैलाने वालों की शिनाख्त कर ली है. बुकलेट और उपस्थिति पत्रक लूटने और फाड़ने पर होगी बड़ी कार्रवाई.